प्रेस विज्ञप्ति

राज भवन, राँची

दिनांक : 17 नवम्बर, 2025 :-

(1) दुमका, माननीय राज्यपाल-सह-झारखण्ड राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज कन्वेंशन सेंटर, एग्रो पार्क, एस.पी. कॉलेज रोड, दुमका में सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका के 9वें दीक्षांत समारोह में सम्मिलित होकर उपाधि प्राप्त करने वाले सभी छात्र-छात्राओं तथा शोधार्थियों को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कार्यक्रम में महान स्वतंत्रता सेनानी सिदो और कान्हु को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि संथाल विद्रोह 'हूल क्रांति' भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का स्वर्णिम अध्याय है, जिसने साहस, आत्मसम्मान और संगठन की अद्भुत मिसाल प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को इन वीरों से सतत प्रेरणा लेनी चाहिए।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि दीक्षांत केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि बड़े उत्तरदायित्व की शुरुआत है। यह उपाधि विद्यार्थियों के परिश्रम, अभिभावकों के त्याग और शिक्षकों के

समर्पित मार्गदर्शन का प्रतीक है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग समाजहित में करने का आह्वान किया।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि यह विश्वविद्यालय न केवल शिक्षा का केंद्र है, बल्कि जनजातीय समाज की संस्कृति, विरासत और परंपराओं का संरक्षक भी है। उन्होंने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में उच्च शिक्षा की पहुँच बढ़ाना और स्थानीय समस्याओं पर आधारित शोध को प्रोत्साहित करना विश्वविद्यालयों का दायित्व है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपेक्षा की कि वे कृषि, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, ग्रामीण विकास और सामाजिक चुनौतियों के समाधान खोजने में अग्रणी बनें।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि आपकी शिक्षा तभी सार्थक है जब वह समाज, गाँवों, गरीबों, दलितों और जनजातीय भाइयों-बहनों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाए। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प तभी पूर्ण होगा जब हमारे विश्वविद्यालय नवाचार, अनुसंधान, कौशल विकास और प्रभावी शैक्षणिक पद्धतियों को प्राथमिकता देंगे। उन्होंने विश्वास प्रकट करते हुए कहा कि झारखण्ड के युवा अपनी ऊर्जा, क्षमता और दृढ़-संकल्प के साथ इस राष्ट्र-निर्माण के अभियान में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि आज का दिन विद्यार्थियों के लिए नए सपनों, नई चुनौतियों और नए अवसरों का प्रतीक है। उन्होंने विद्यार्थियों को ईमानदारी, संवेदनशीलता और कर्तव्यपरायणता के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया और कहा कि "सच्ची सफलता वही है, जो स्वयं के साथ समाज और राष्ट्र को भी ऊँचाइयाँ दे।

राज्यपाल महोदय ने विश्वविद्यालय प्रशासन, शिक्षकों और कर्मचारियों को दीक्षांत समारोह के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएँ दीं और विश्वविद्यालय की उन्नति के लिए अपनी शुभेच्छाएँ व्यक्त कीं। उन्होंने सभी उपाधि-प्राप्त विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि आप अपने कर्म, निष्ठा और नैतिक मूल्यों से झारखण्ड ही नहीं, भारत की नई पहचान बनेंगे।

(2) माननीय राज्यपाल ने डी.पी.एस., देवघर का भूमि पूजन एवं शिलान्यास समारोह किया।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार आज देवघर में दिल्ली पब्लिक स्कूल (डी.पी.एस.), देवघर के भूमि पूजन एवं शिलान्यास समारोह में देवघर की पावन धरती को नमन करते हुए कहा कि यह समारोह केवल एक शैक्षणिक संस्थान की नींव रखने का कार्यक्रम ही नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। उन्होंने इसे देवघर और संपूर्ण शिक्षा समाज के लिए एक शुभ अवसर बताया।

राज्यपाल महोदय ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि देवघर केवल एक धार्मिक स्थल ही नहीं, बल्कि आध्यात्मिक ऊर्जा, सांस्कृतिक समृद्धि और मानवीय मूल्यों की पवित्र भूमि है। उन्होंने उल्लेख किया कि बाबा बैद्‌यनाथ धाम की पूजा-अर्चना करने हेतु देश और विदेश से हर दिन लाखों श्रद्‌धालु आते हैं और श्रावण मास में कांवड़ियों की आस्था से सम्पूर्ण वातावरण गुंजायमान रहता है।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि जहाँ रामकृष्ण मिशन विद्‌यापीठ जैसे प्रतिष्ठित संस्थान वर्षों से यहाँ शिक्षा की धारा प्रवाहित

कर रहे हैं, वहीं अब डी.पी.एस., देवघर का आगमन इस क्षेत्र में शिक्षा के एक नए युग का आरंभ करेगा। आशा है, यह शिक्षा का मंदिर आने वाली पीढ़ियों को दिशा देगा।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि विद्यालय केवल भवन नहीं, बल्कि ज्ञान, संस्कार और चरित्र निर्माण का पवित्र केंद्र होता है। उन्होंने कहा कि सच्ची शिक्षा वह है, जो विद्यार्थी को विचारशील, संवेदनशील और समाज के प्रति उत्तरदायी बनाए। शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा परिणाम नहीं, बल्कि जीवन का निर्माण है।

राज्यपाल महोदय ने अपने संबोधन में माननीय प्रधानमंत्री जी के संदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि सफलता उसी की होती है जो निरंतर परिश्रम करता है और चुनौतियों को अवसर में बदल देता है। उन्होंने विद्यार्थियों और भावी पीढ़ियों को संदेश दिया कि अनुशासन, निरंतर अभ्यास और सकारात्मक दृष्टि ही सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है।

माननीय राज्यपाल ने विश्वास व्यक्त किया कि डी.पी.एस., देवघर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासन और उत्कृष्टता, भारतीय संस्कृति और स्थानीय परंपराओं का समन्वय तथा जीवन-मूल्यों का संवर्धन के साथ एक आदर्श शिक्षण संस्थान के रूप में विकसित होगा। उन्होंने कहा कि यह विद्यालय विद्यार्थियों

को न केवल आधुनिक ज्ञान देगा बल्कि उन्हें जड़ों से जोड़ते हुए आधुनिक भारत के निर्माण के लिए तैयार करेगा।

राज्यपाल महोदय ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि यह विद्यालय झारखण्ड के शिक्षा मानचित्र पर अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करेगा और संस्थान क्षेत्र की शैक्षणिक आकांक्षाओं को नई दिशा देगा।

(3) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से आज झारखण्ड विधानसभा अध्यक्ष श्री रबींद्र नाथ महतो ने राज भवन में भेंट की तथा राज्यपाल महोदय को दिनांक 22 नवम्बर, 2025 को आयोजित झारखण्ड विधानसभा की 25वीं वर्षगांठ (रजत जयंती) समारोह 2025 में सम्मिलित होने हेतु आमंत्रित किया।

---

(4) माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार से आज झारखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री श्री अर्जुन मुंडा ने राज भवन में शिष्टाचार भेंट की।